सुदूर संवेदन और भू-सूचना पर बुनियादी

टीआरईईएस प्रशिक्षण

भू-पारिस्थितिकीतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग (ईआरटीडी)

वेदास अनुसंधान समूह (वीआरजी), ईपीएसए/सैक दिनांक : 11-15 मार्च, 2019

"बुनियादी सुदूर संवेदन और भू-सूचना" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के 11 संस्थानों/संगठनों के 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सुदूर संवेदन तथा भू-सूचना के विविध पहलुओं को सम्मिलित करते हुए कुलमिलाकर 12 व्याख्यान दिए गए। सुदूर संवेदन पर दिए गए व्याख्यानों में भू-सूचना, भू-प्रेक्षण अनुप्रयोग, प्रतिबिंब प्रसंस्करण, प्रतिबिंब वर्गीकरण तकनीक, जीआईएस में स्थानिक विश्लेषण तकनीक और बहु मानदंड तकनीक, जीआईएस डेटा प्रसंस्करण में मूलभूत पायथन और जीडीएएल यूटिलिटी तथा समय श्रृंखला विश्लेषण का महत्व - ओपन सोर्स तथा आईजीआईएस सॉफ्टवेयर समाधान के बुनियादी सिद्धांतों का समावेश किया गया। बुनियादी भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), वेब-जीआईएस, वैश्विक अवस्थिति प्रणाली (जीपीएस) और मोबाइल अनुप्रयोगों में इसका उपयोग, और पायथन तथा जीडीएएल प्रयोग, वेदास का प्रदर्शन आदि किए गए। प्रतिभागियों को 17 घंटे का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया जिससे वे पढ़ाए गए सैद्धांतिक पहलुओं को समझ सकें।

डॉ. राजकुमार, उप निदेशक-एप्सा के कर-कमलों से प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।